SOCIAL STUDIES

Class 10th

(ECONOMICS)

Chapter 1: विकास

To get notes visit our website

mukutclasses.in

EXERCISES

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

प्रश्न 1. सामान्यतः किसी देश का विकास किस आधार पर निर्धारित किया जा सकता है

(क) प्रतिव्यक्ति आय।
(ख) औसत साक्षरता स्तर
(ग) लोगों की स्वास्थ्य स्थिति।
(घ) उपरोक्त सभी

उत्तर:-(घ) उपरोक्त सभी।

प्रश्न 2. निम्नलिखित पड़ोसी देशों में से मानव विकास के लिहाज से किस देश की स्थिति भारत से बेहतर है?

(क) बांग्लादेश **(ख) श्रीलंका**
(ग) नेपाल **(घ) पाकिस्तान**

उत्तर:-(ख) श्रीलंका ।

प्रश्न 3. मान लीजिए कि एक देश में चार परिवार हैं। इन परिवारों की प्रतिव्यक्ति आय 5,000 रुपये हैं। अगर तीन परिवारों की आय क्रमश: 4,000, 7,000 और 3,000 रुपये हैं, तो चौथे परिवार की आय क्या है?

(क) 7,500 रुपये। **(ख) 3,000 रुपये।**
(ग) 2,000 रुपये। **(घ) 6,000 रुपये**

उत्तर:- (घ) 6,000 रुपये।

प्रश्न 4. विश्व बैंक विभिन्न वर्गों का वर्गीकरण करने के लिए किस प्रमुख मापदंड का प्रयोग करता है? इस मापदंड की अगर कोई है, तो सीमाएँ क्या है?

उत्तर:- विश्व बैंक विभिन्न वर्गों का वर्गीकरण करने के लिए **प्रति व्यक्ति आय** का प्रयोग करता है। इस मानदंड की सीमाएँ निम्नलिखित हैं:

1. प्रति व्यक्ति आय तुलना के लिए आसान तो है लेकिन यह आय के सही वितरण को नहीं दिखा पाया है। उदाहरण के लिए नीचे दी गई तालिका देखें

तालिका 1.2 दो देशों की तुलना

देश	नागरिकों की मासिक आय (रुपये में)					
	1	2	3	4	5	औसत
देश क	9,500	10,500	9,800	10,000	10,200	
देश ख	500	500	500	500	48,000	

2. यह शिशु मृत्यु दर, साक्षरता स्तर, स्वास्थ्य देखभाल आदि जैसे कई अन्य कारकों के लिए भी जिम्मेदार नहीं है।

3. यदि जनसंख्या अधिक है तो प्रति व्यक्ति आय सही संख्या को प्रकट नहीं करती है।

प्रश्न 5. विकास मापने का यू० एन०डी० पी० का मापदंड किन पहलूओं में विश्व बैंक के मापदंड से अलग है?
उत्तर:- विश्व बैंक का मापदंड केवल प्रति व्यक्ति आय पर आधारित है। इस मापदंड की बहुत-सी सीमाएँ हैं। जबकि यू० एन० डी० पी० विकास के लिए निम्नलिखित मापदंड अपनाए गए:

1. लोगों का स्वास्थ्य
2. शैक्षिक स्तर
3. प्रति व्यक्ति आय

विकास को मापने के लिए यूएनडीपी के मापदंड सटीक हैं क्योंकि केवल प्रति व्यक्ति आय विकास को मापने का मापदंड नहीं हो सकता।

प्रश्न 6. हम औसत का प्रयोग क्यों करते हैं? इनके प्रयोग करने की क्या कोई सीमाएँ है? विकास से जुड़े अपने उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:- किसी देश के विकास स्तर को जानने के लिए प्रतिव्यक्ति आय निकाली जाती है जिसके लिए हम औसत का प्रयोग करते हैं।
सीमाएं:

1. औसत से आय के वितरण का सही अनुमान नहीं लगाया जा सकता।
2. इसमें आर्थिक असमानताएँ छिप जाती है।
3. अधिक जनसंख्या होने पर औसत में संख्या सटीक नहीं होती।

उदाहरण के लिए जब हम दो देशों की आय की तुलना करते हैं। इसमें आर्थिक असमानताएँ छिप जाती है। निम्न तालिका में देखें।

तालिका 1.2 दो देशों की तुलना

देश	नागरिकों की मासिक आय (रुपये में)					
	1	2	3	4	5	औसत
देश क	9,500	10,500	9,800	10,000	10,200	
देश ख	500	500	500	500	48,000	

यहां दोनों देशों की औसत आय 10000 है जबकि आय के वितरण में असमानता है।

प्रश्न 7. प्रतिव्यक्ति आय कम होने पर भी केरल का मानव विकास क्रमांक पंजाब से ऊँचा है। इसलिए प्रतिव्यक्ति आय एक उपयोगी मापदंड बिल्कुल नहीं है और राज्यों की तुलना के लिए इसका उपयोग नहीं करना चाहिए। क्या आप सहमत हैं? चर्चा कीजिए।
उत्तर:- प्रति व्यक्ति आय तुलना के लिए एक उपयोगी उपकरण हो सकता है लेकिन यह आय के वितरण को दिखाने के लिए सटीक नहीं है। इसमें शिशु मृत्यु दर, साक्षरता स्तर, स्वास्थ्य देखभाल आदि जैसे कई अन्य कारक सम्मिलित नहीं होते है। अतः राज्यों की तुलना के लिए इसका उपयोग नहीं करना चाहिए। पंजाब में प्रति व्यक्ति आय आय अधिक होने पर भी केरल में साक्षरता दर और निवल उपस्थिति अनुपात अधिक एवं शिशु मृत्यु दर कम होने के कारण केरल का मानव विकास क्रमांक पंजाब से ऊँचा है।

प्रश्न 8. भारत के लोगों द्वारा ऊर्जा के किन स्रोतों का प्रयोग किया जाता है? ज्ञात कीजिए । अब से 50 वर्ष पश्चात् क्या संभावनाएँ हो सकती हैं?

उत्तर: भारत के लोगों द्वारा ऊर्जा के निम्न स्रोतों का प्रयोग किया जाता है:

1. **कोयला:** कोयले का प्रयोग उद्योगों में ईंधन के रूप में किया जाता है। बिजली बनाने में सबसे अधिक कोयले का प्रयोग होता है।
2. **पेट्रोलियम:** पेट्रोलियम तेल का प्रयोग वाहनों में किया जाता है। खनिज तेल को शोधित करके डीजल, मिट्टी का तेल, पेट्रोल आदि प्राप्त किए जाते हैं।
3. **प्राकृतिक गैस:** प्राकृतिक गैस का प्रयोग घरों तथा उद्योगों में किया जाने लगा है। गैस को पाइपों के सहारे दूर-दूर के स्थानों पर पहुँचाया जाता है।
4. **जल विद्युत:** जल से उत्पन्न बिजली को जल विद्युत कहते हैं । इसका प्रयोग घरों, दफ्तरों तथा औद्योगिक इकाइयों में बड़े पैमाने पर किया जाता है।
5. **ऊर्जा के अन्य स्रोत:** ऊर्जा के कुछ नवीन स्रोत भी हैं जिनका प्रयोग ऊर्जा के रूप में किया जाने लगा है। जैसे-पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा, बायोगैस, भूतापीय ऊर्जा आदि।

अब से 50 वर्ष बाद भारत में कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस आदि ऊर्जा के स्त्रोतों का प्रयोग कम होने की सम्भावना है क्योंकि इनके सीमित भंडार है। आने वाले 50 वर्षों में सौर ऊर्जा भूतापीय ऊर्जा आदि में संभावना अधिक दिखाई देती है।

प्रश्न 9. धारणीयता का विषय विकास के लिए क्यों महत्त्वपूर्ण है?

उत्तर: धारणीयता से अभिप्राय है सतत पोषणीय विकास अर्थात् ऐसा विकास जो वर्तमान पीढ़ी तक ही सीमित ना रहकर पीढ़ी दर पीढ़ी होता रहे। हम संसाधनों का अत्यधिक प्रयोग कर रहे हैं, जिससे वे शीघ्र समाप्त हो जाएँगे और आने वाली पीढ़ी के लिए नहीं बचेंगे। यदि हमें विकास को धारणीय बनाना है। अर्थात् निरंतर जारी रखना है, तो हमें संसाधनों का प्रयोग इस तरह से करना होगा जिससे विकास की प्रक्रिया निरंतर जारी रहे और भावी पीढ़ी के लिए संसाधन बचे रहें।

प्रश्न 10. धरती के पास सब लोगों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं, लेकिन एक भी व्यक्ति के लालच को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। यह कथन विकास की चर्चा में कैसे प्रासंगिक है? चर्चा कीजिए।

उत्तर: यह बात महात्मा गांधी जी ने कही थी। इसका मतलब यह है कि पृथ्वी पर इतने संसाधन मौजूद हैं कि सही से प्रयोग किया जाए तो सभी लोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति हो सकती है। लेकिन अगर एक भी व्यक्ति लालच में आकर संसाधनों का दोहन करेगा तो उसके लालच को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं है। विकास की चर्चा करते समय यह बात प्रासंगिक हो जाती है क्योंकि हमें विकास के लिए धारणीयता के सिद्धांत पर चलने की आवश्यकता है। इसका अर्थ यह है कि हमें संसाधनों का इस प्रकार प्रयोग करना चाहिए कि वे कभी भी समाप्त ना हो।

प्रश्न 11. पर्यावरण में गिरावट के कुछ ऐसे उदाहरणों की सूची बनाइए जो आपने अपने आसपास देखे हों।

उत्तर:- कूड़े-कचरे और अवांछित गंदगी से जल, वायु और भूमि का दूषित होना पर्यावरण प्रदूषण कहलाता है। पर्यावरण में गिरावट के बहुत से उदाहरण हैं जिनमें से कुछ निम्नलिखित हैं

1. विकास के नाम पर नदियों, झीलों और समुद्रों में औद्योगिक अपशिष्ट बहाए जा रहे हैं। जिससे जल प्रदूषित करते हैं।
2. जहाजों से रिसनेवाले तेल से समुद्री जीवों को हानि होती है।
3. कारखानों और मोटर वाहनों से निकलने वाला धुआं वायु को प्रदूषित कर रहा हैं।
4. घरों या अन्य स्रोतों द्वारा कूड़ा-कचरा आदि फेंकने से पर्यावरणीय समस्याएँ उत्पन्न हो जाती हैं। कृषि क्षेत्रों में अधिक उर्वरकों का प्रयोग करने से भूमि की उपजाऊ शक्ति खत्म होती है तथा ये उर्वरक भूमि को प्रदूषित करते हैं।

प्रश्न 12. तालिका 1.6 में दी गई प्रत्येक मद के लिए ज्ञात कीजिए कि कौन-सा देश सबसे ऊपर है और कौन-सा सबसे नीचे है?

तालिका 1.6 वर्ष 2004 के लिए भारत और उसके पड़ोसी देशों के कुछ आँकड़े

देश	प्रतिव्यक्ति आय अमरीकी डॉलर में	जन्म के समय संभावित आयु	साक्षरता दर 15+ वर्ष की जनसंख्या के लिए	3 स्तरों के लिए सकल नामांकन अनुपात	विश्व में मानव विकास सूचकांक (HDI) का क्रमांक
श्रीलंका	4390	74	91	69	93
भारत	3139	63	61	60	126
म्यांमार	1027	61	90	48	130
पाकिस्तान	2225	63	50	35	134
नेपाल	1490	62	50	61	138
बांग्लादेश	1870	63	41	63	137

MUKUTclasses

उत्तर :- तालिका 1.6 में दिए गए मापदंडों के आधार पर सबसे ऊपर और सबसे नीचे वाले देश निम्नलिखित हैं-

1. प्रतिव्यक्ति आय के मामले श्रीलंका सबसे ऊपर है और म्यांमार सबसे नीचे है।
2. संभावित आयु के मापदंड में श्रीलंका सबसे ऊपर है और म्यांमार सबसे नीचे है।
3. साक्षरता दर के मापदंड में श्रीलंका सबसे ऊपर है और बांग्लादेश सबसे नीचे है।
4. सकल नामांकन अनुपात में श्रीलंका सबसे ऊपर है और पाकिस्तान सबसे नीचे है।
5. मानव विकास सूचकांक में श्रीलंका सबसे ऊपर है और नेपाल सबसे नीचे है।

प्रश्न 13. नीचे दी गई तालिका में भारत में व्यस्कों (15:49 वर्ष आयु वाले) जिनका बी. एम.आई. सामान्य से कम है (बी.एम.आई. 18.5kr/m) का अनुपात दिखाया गया है। यह वर्ष 2015-16 में देश के विभिन्न राज्यों के एक सर्वेक्षण पर आधारित है। तालिका का अध्ययन करके निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

राज्य	पुरुष (%)	महिला (%)
केरल कर्नाटक मध्य प्रदेश	8.5 17 28	10 21 28
सभी राज्य	20	23

(क) **केरल और मध्य प्रदेश के लोगों के पोषण स्तरों की तुलना कीजिए।**

(ख) **क्या आप अन्दाज लगा सकते हैं कि देश में लगभग हर पाँच में एक व्यक्ति अल्पपोषित क्यों है, यद्यपि यह तर्क दिया जाता है कि देश में पर्याप्त खाद्य है? अपने शब्दों में विवरण दीजिए।**

उत्तर:-

(क) उपरोक्त आँकड़े केरल और मध्य प्रदेश के लोगों के पोषण स्तर को दर्शाते हैं। इसके अनुसार केरल में 8.5 प्रतिशत पुरुष और 10 प्रतिशत महिलाएँ अल्प-पोषित हैं, जबकि मध्य प्रदेश में 28 प्रतिशत पुरुष और महिलाए अल्प-पोषित हैं। इसका अर्थ है कि मध्य प्रदेश में अधिक लोग अल्प-पोषित हैं।

(ख) देश में पर्याप्त अनाज होने के बावजूद देश के 20 प्रतिशत लोग अल्प-पोषित हैं क्योंकि अभी भी लगभग 20 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से नीचे हैं। ये व्यक्ति इतना भी नहीं कमा पाते कि अपने लिए दो समय का खाना प्राप्त कर सकें। इसलिए देश में अनाज उपलब्ध होने के बावजूद ये उसे खरीद नहीं पाते और अल्प-पोषिते रहते हैं।

MUKUTclasses